कॉप27 : केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने जारी की जलवायु परिवर्तन के खिलाफ देश की रणनीति

भारत हाइड्रोजन व एटमी ऊर्जा से कार्बन उत्सर्जन घटाएगा, इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ेंगे

ये नीति लाने वाले 60 देशों में शामिल

शर्म अल शेख। बिजली उत्पादन में कार्बन उत्सर्जन कम करने व इसे वातावरण से घटाने के लिए भारत ग्रीन हाइड्रोजन व परमाणु ऊर्जा का उपयोग बढ़ाएगा। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या भी बढ़ेगी। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने के लिए देश की दीर्घकालीन रणनीतियों की रूपरेखा 'एलटी-एलईडीएस' जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन के दौरान सोमवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जारी की। यादव ने बताया, यह नीति जारी करने वाले 60 देशों की सूची में अब भारत भी शामिल हो गया है।

इस रूपरेखा के अनुसार, कोयले, पेट्रोल, डीजल की जगह अक्षय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने में सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाएगा। नेशनल हाइड्रोजन मिशन 2021 के जरिए देश को ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा का हब बनाने के लिए तेजी से काम होगा। 2032 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता तीन गुना तक बढ़ाई जाएगी। 2025 तक वाहन ईंधन में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग पर सरकार जोर देगी। शहरों में ग्रीन बिल्डिंग कोड और ठोस व तरल कचरे के उचित प्रबंधन पर जोर दिया जाएगा। 2030 तक जंगलों और वृक्षों की संख्या बढ़ाकर 300 करोड़ टन कार्बन घटाया जाएगा। एजेंसी

कार्बन उत्सर्जन घटाने की रणनीति जारी करते केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव।

करेंगे ये 7 उपाय, अर्थव्यवस्था का भी ध्यान

- बिजली उत्पादन के दौरान कार्बन का उत्सर्जन घटाएंगे।
- प्रभावी और मिली जुली परिवहन व्यवस्था विकसित होगी।
- शहरों के विकास और नई इमारतों के निर्माण में ऊर्जा व निर्माण सामग्री के कम उपयोग पर जोर दिया जाएगा।
- अर्थव्यवस्था पर असर न हो। इस बात का ध्यान रखकर औद्योगिक उत्सर्जन घटाने में नवोन्मेषी तरीके अपनाएंगे।
- वातावरण से कार्बन घटाने के लिए तकनीकी उपाय।
- जंगलों और वृक्षों में वृद्धि से भी कार्बन उत्सर्जन घटेगा।
- आर्थिक व वित्तीय पहलुओं पर असर का भी ध्यान रखा जाएगा।

जलवायु न्याय की भावना से काम करें : यादव

हमारा विजन लंबे विकास को ध्यान में रखते हुए समानता व जलवायु न्याय के तहत होना चाहिए। एक दूसरे से सीखने और साझा करने की भावना इसमें होनी चाहिए। कोई पीछे न छूटे। **-भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री**

किसका कितना कार्बन उत्सर्जन

509

गीगाटन कार्बन उत्सर्जन किया अमेरिका ने वर्ष 1850 से अब तक

20% है पूरी पृथ्वी पर हुए उत्सर्जन का।

11% के साथ चीन दूसरे और 7% के साथ रूस तीसरे स्थान पर

भारत 3.4 प्रतिशत के साथ सातवें स्थान पर

विश्लेषक एजेंसी 'कार्बन ब्रीफ' के अनुसार

- ग्लोबल कार्बन बजट रिपोर्ट 2022 का दावा है कि 2021 में दुनिया का आधा कार्बन उत्सर्जन तीन प्रमुख देशों से हो रहा है।
- इसमें चीन 31%, अमेरिका 14% व यूरोपीय संघ की 8% हिस्सेदारी है।

कार्बन उत्सर्जन में बाकी देशों से बहुत पीछे है भारत

यूएन के पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भारत अमीर व विकसित देशों से बहुत पीछे है। भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.4 टन है, जो विश्व के औसत 6.3 टन से कहीं कम है।